



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 23 मार्च, 2022

डॉ. राम मनोहर लोहिया

23 मार्च, 2022 को भारत के समाजवादी नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया की 112वीं जयंती मनाई गई। राम मनोहर लोहिया का जन्म 23 मार्च, 1910 को अकबरपुर, उत्तर प्रदेश में हुआ था। भारतीय राजनीतज्ञ व कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में डॉ. लोहिया ने समाजवादी राजनीति और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने अपना अधिकांश जीवन समाजवाद के विकास के माध्यम से अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिये समर्पित किया। उन्होंने वर्ष 1929 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि तथा वर्ष 1932 में बर्लिन विश्वविद्यालय (जहाँ उन्होंने अर्थशास्त्र और राजनीति का अध्ययन किया) से मानद (डॉक्टरेट) की उपाधि प्राप्त की। वर्ष 1934 में लोहिया **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस** के अंदर एक वामपंथी समूह **काँग्रेस-सोशलसिस्ट पार्टी (CSP)** में सक्रिय रूप से शामिल हो गए। उन्होंने **द्वितीय विश्व युद्ध** (1939-45) में ग्रेट ब्रिटेन द्वारा भारत को शामिल करने के नरिणय का वरिोध किया। वर्ष 1948 में लोहिया एवं अन्य CSP सदस्यों ने कांग्रेस की सदस्यता छोड़ दी। वर्ष 1955 में लोहिया ने एक नई सोशलसिस्ट पार्टी की स्थापना की जिसके वे अध्यक्ष बने और साथ ही इसकी पत्रिका 'मैनकाइंड' (Mankind) का संपादन भी किया। 12 अक्टूबर, 1967 को उनकी मृत्यु हो गई।

अंतरराष्ट्रीय नस्लीय भेदभाव उन्मूलन दविस

प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को 'अंतरराष्ट्रीय नस्लीय भेदभाव उन्मूलन दविस' मनाया जाता है। यह दविस जातविाद और नस्लीय भेदभाव के वरिद्ध एकजुटता का आहवान करता है। अक्टूबर 1966 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय नस्लीय भेदभाव उन्मूलन दविस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। 21 मार्च, 1960 को पुलिस ने दक्षिण अफ्रीका के शारपवलि में लोगों द्वारा नस्लभेदी कानून के खिलाफ किये जा रहे एक शांतपूरण प्रदर्शन के दौरान आग लगा दी, जिसमें 69 लोगों की मृत्यु हो गई थी। ज्ञात हो कि मानवाधिकारों के उल्लंघन के अतिरिक्त नस्लीय भेदभाव का मानव स्वास्थ्य और कल्याण पर भी हानिकारक प्रभाव पड़ता है तथा यह सामाजिक सामंजस्य में बाधा उत्पन्न करता है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय नस्लीय भेदभाव उन्मूलन दविस की थीम है- 'वॉइस फॉर एक्शन अगैस्ट रेसज़िम।'

शहीद दविस

प्रत्येक वर्ष 23 मार्च को **शहीद दविस** के रूप में मनाया जाता है। यह दविस तीन महान युवा नेताओं **भगत सहि, सुखदेव थापर और शविराम राजगुरु** के साहस और वीरता की याद में मनाया जाता है। **भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन** के दौरान लाहौर षडयंत्र मामले में इन स्वतंत्रता सेनानियों को 24 मार्च, 1931 को मृत्युदंड का आदेश दिया गया था, कति उन्हें **23 मार्च, 1931 की शाम को ही फाँसी** दे दी गई थी। अपनी मृत्यु के समय भगत सहि केवल 23 वर्ष के थे कति उनके क्रांतिकारी वचिार बहुत व्यापक थे। उल्लेखनीय है कि भारतीय आंदोलनों का बहुचर्चित नारा '**इंकलाब जिंदाबाद**' पहली बार भगत सहि ने ही बोला था। भगत सहि मानते थे कि वियकर्ता को दबाकर उसके वचिार नहीं दबाए जा सकते हैं। भगत सहि का **जन्म 28 सतिंबर, 1907** को पंजाब के लायलपुर ज़िले के बंगा गाँव में हुआ था, जो उस समय ब्रिटिश भारत का हिस्सा था तथा वर्तमान में यह पाकिस्तान में है।

वशिव मौसम वजिज्ञान दविस

दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 23 मार्च को **वशिव मौसम वजिज्ञान दविस** (World Meteorological Day) के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मौसम वजिज्ञान में हो रहे बदलावों से लोगों को रू-ब-रू और जागरूक करना है। वशिव मौसम वजिज्ञान दविस प्रत्येक वर्ष एक अलग थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष वशिव मौसम वजिज्ञान दविस 2022 की थीम है- "**प्रारंभिक चेतावनी और प्रारंभिक कार्रवाई (Early Warning and Early Action)**"। इसी दिनि मौसम वजिज्ञान संगठन अभिसमय के अनुमोदन द्वारा 23 मार्च, 1950 को **वशिव मौसम संगठन** (World Meteorological Organization) की स्थापना हुई थी। यह एक अंतर-सरकारी संगठन है, इसका **मुख्यालय जनिवा, स्वटिज़रलैंड** में है। वशिव मौसम वजिज्ञान संगठन में कुल 191 सदस्य देश शामिल हैं। इस संगठन का इस्तेमाल बाढ़, सूखा और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं का अनुमान लगाने के लिये किया जाता है ताकि समय रहते इन आपदाओं से होने वाले नुकसान से बचा जा सके।

